15 मार्च 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1708 मामलों का निपटारा साढ़े 14 करोड़ से अधिक की राशि पर हुआ समझौता 2

एक नजर

होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने के लिए कतार में खड़े भारतीय टैंकर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण संकट गहराता जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को आंशिक रूप से बंद किया गया है। हालांकि, इस अहम समुद्री जलमार्ग से गुजरने के लिए भारत के तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के और टैंकर कतार में खड़े हैं। इससे पहले, शुक्रवार को दो भारतीय एलएनजी टैंकरों को इससे गुजरने की अनुमति मिली थी। विश्वसनीय सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय ध्वज वाले 28 जहाज फारस की खाड़ी में काम कर रहे हैं। इन सभी भारतीय जहाजों और चालक दल की सुरक्षा और सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी की जा रही है। इनमें से 24 भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में हैं, जिनमें 677 नाविक हैं। वहीं, होर्मुज स्ट्रेट के पूर्व में चार जहाज हैं, जिनमें 101 भारतीय नाविक सवार हैं। जहाजरानी महानिदेशालय(डीजीएस) के 12 मार्च के आंकड़ों के अनुसार, ये जहाज करीब 2,15,000 टन तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी), 4,15,000 टन तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और लगभग 17.5 लाख टन कच्चा तेल ले जा रहे थे। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा समुद्री स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है।

दूल्हा बने कुलदीप ने पैर छूकर लिया बाबा बागेश्वर का आशीर्वाद

नई दिल्ली। बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री भी भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव की शादी में शामिल हुए। पंडित धीरेंद्र शास्त्री को देखते ही कुलदीप ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप की शादी मसूरी में हो रही है। उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह चड्ढा को जीवनसाथी चुना है। वंशिका एलआईसी में काम करती हैं। कुलदीप की शादी के कई वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में बाबा बागेश्वर भी नजर आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अलावा कुलदीप के साथी खिलाड़ी और कई अन्य हस्तियां भी इस शादी में शामिल हुई हैं।

एलपीजी गैस : सरकार का दोहरे कनेक्शन पर सख्ती

- जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन मौजूद है, उन्हें घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा
- घरेलू गैस संकट के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण का विनियमन) में संशोधन

एजेंसी। नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई को लेकर बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब जिन घरों में पहले से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन मौजूद है, उन्हें घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, यदि किसी उपभोक्ता के पास पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन हैं, तो उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा। यह फैसला शनिवार को जारी अधिसूचना के माध्यम से लागू किया गया है और यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण का विनियमन) आदेश, 2000 में संशोधन किया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार पीएनजी कनेक्शन रखने वाला कोई भी व्यक्ति नया घरेलू एलपीजी कनेक्शन नहीं ले सकेगा। पीएनजी और एलपीजी दोनों रखने वाले उपभोक्ता एलपीजी सिलेंडर का रिफिल नहीं प्राप्त कर सकेंगे। ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। सरकारी तेल कंपनियां (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल) और उनके वितरक ऐसे घरों में एलपीजी प्रदान नहीं कर सकेंगे। घरेलू गैस संकट के बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने 'दोहरे कनेक्शन' पर सख्ती दिखते हुए दोनों तरह (एलपीजी और पीएनजी) के कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं के सिलिंडर रिफिल करने पर रोक लगा दी है।

'एक घर-एक ईंधन' नीति लागू

सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि एलपीजी की सीमित आपूर्ति को बेहतर तरीके से प्रबंधित हो और उन जरूरतमंद परिवारों तक सिलेंडर पहुंचे, जिनके पास पीएनजी जैसा विकल्प नहीं है। पीएनजी मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध है, जहां पाइपलाइन के माध्यम से सस्ती और पर्यावरण-अनुकूल गैस मिलती है। वहीं ग्रामीण और छोटे शहरों में अभी भी एलपीजी ही मुख्य ईंधन है। इस बदलाव से पीएनजी वाले क्षेत्रों में एलपीजी की मांग कम होगी, जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए सब्सिडी वाले सिलेंडर की उपलब्धता बढ़ेगी। यह कदम 'एक घर-एक ईंधन' नीति की दिशा में भी माना जा रहा है। पहले भी सरकार ने दोहरे कनेक्शन पर रोक लगाने की कोशिश की थी, लेकिन अब यह नियम स्पष्ट और सख्त रूप से लागू किया गया है।

हार की सेंचुरी लगने वाली है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में शिलांग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। इसके बाद पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने असम से कांग्रेस को बाहर कर दिया है। आज देश का हर राज्य कांग्रेस को सबक सिखा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है। आने वाले समय में, कांग्रेस हार की सेंचुरी लगाने वाली है। हार की हताशा में, कांग्रेस ने खुद देश के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की निंदा करते हुए आगे कहा कि ऐसा लगता है कि अब कांग्रेस के पास हताशा में अपने ही कपड़े फाड़ने के अलावा और कुछ करने को नहीं बचा है। पीएम मोदी ने असम के युवाओं के बारे में बात करते हुए कहा, श्कांग्रेस ने असम को बांटो और राज करो की नीति की प्रयोगशाला बना दिया था। आज असम के युवाओं के सामने अवसरों का खुला आसमान है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, श्कांग्रेस पार्टी ने पूर्वोत्तर को उसके हाल पर छोड़ दिया था। जब देश आजाद हुआ, तो कांग्रेस ने सीमा का निर्धारण इस तरह से होने दिया कि बराक घाटी का समुद्र से जुड़ाव पूरी तरह से कट गया।

मजबूत संपर्क और आधुनिक बुनियादी ढांचा विकसित बंगाल की बुनियाद बनेंगे

पीएम मोदी ने कोलकाता में 18680 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

- बंदरगाह और जल परिवहन की भूमिका अहम और निर्णायक

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के सिलचर में हजारों करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद राज्य की जनता को संबोधित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री बंगाल रवाना हुए। पीएम मोदी का असम और बंगाल दौरा इसलिए भी खास है, क्योंकि इस राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। प्रधानमंत्री ने कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित किया और करीब 18680 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्या किया। इससे पहले कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल- भाजपा के कार्यकताओं की झड़प की खबर भी सामने आई। कोलकाता में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बंगाल ने हमेशा ने भारत को दिशा दिखाई है। बंगाल एक बार फिर विकसित बंगाल बनकर उस गौरव को हासिल करेगा। मुझे विश्वास है कि मजबूत संपर्क और आधुनिक बुनियादी ढांचा विकसित बंगाल की बुनियाद बनेंगे। प्रधाननमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, बंदरगाह और जल परिवहन की भूमिका अहम और निर्णायक है। दशकों तक पूर्वी भारत की इस क्षमता की उपेक्षा की गई। हालांकि, आज जलमार्ग व्यापार और औद्योगिक प्रगति के नए रास्ते खोल रहे हैं। कोलकाता और हल्दिया जैसे बंदरगाह लंबे समय से पूर्वी भारत में व्यापार के प्रमुख केंद्र रहे हैं। वर्तमान में हल्दिया डॉक कॉम्पलेक्स का मशीनीकरण चल रहा है। इस पहल से माल ढुलाई में तेजी आएगी। प्रधाननमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री करीब 18,680 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत को नई गति प्रदान करेंगी। इनसे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। लाखों लोगों की जीवन आसान होगा और उनके लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, खड़गपुर-मोरग्राम एक्सप्रेसवे पूरा होने से पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। देश के रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए एक तेज अभियान अभी चल रहा है। हमारा दृढ़ संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस प्रयास में पीछे न रहे। केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के रेलवे बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार के लिए ठोस प्रयास कर रही है।

भिड़े तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ता

पश्चिम बंगाल में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासत में गर्माहट तेज है। इसी बीच पीएम मोदी के कोलकाता दौरे से पहले भाजपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकताओं के बीच शहर गिरीश पार्क इलाके में भिड़ंत हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर भी फेंके। घटना में कई लोगों के चोटिल होने की खबर भी सामने आ रही है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मामले को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राहुल गांधी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार को घेरा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार हमलावर हैं। उन्होंने एक बार फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी। राहुल जिस सी2 प्लस 50 फीसदी फॉमूर्ले का जिक्र कर रहे हैं, इसे आम तौर पर

स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है। विपक्ष के नेता ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट में आगे लिखा, 'सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के 'राष्ट्रीय प्राथमिकताओं' के नाम पर सही ठहराया गया। उन्होंने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी टिप्पणी की। राहुल ने लिखा, एक और गंभीर सवाल- अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से जुड़ा है। उन्होंने ट्रेड डील के हिस्से में गैर-व्यापारिक अवरोध को घटाए जाने की बात पर हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या इसका मतलब एमएसपी और सरकारी खरीद को कमजोर करना है।

चुनाव से पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग पर विपक्ष का जोर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा की शुरू हो चुकी उलटी गिनती के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष द्वारा दिए गए महाभियोग प्रस्ताव को लेकर अगले हफ्ते गहमागहमी तेज होने की संभावनाएं है। अपने प्रस्ताव पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के समर्थन से उत्साहित तृणमूल कांग्रेस वर्तमान बजट सत्र के दौरान ही ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा कराने के लिए सियासी जोर लगाएगी। तृणमूल कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष प्रस्ताव पर बहस के जरिए एसआइआर के दौरान पश्चिम बंगाल में लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाने का "सूत्रधार" ज्ञानेश कुमार को साबित करना चाहते हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत को परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने ही होंगे: डॉ. वीएसआरके प्रसाद

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्धों के कारण ऊर्जा सुरक्षा वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गई है। अमेरिका-यूरोपीय देशों, रूस और चीन ने इस क्षेत्र में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले ही पहल शुरू कर दी है भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान के पूर्व महानिदेशक डॉ. वीएसआरके प्रसाद का मानना है कि यह 'झटका' ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सहायक होगा। भारत सरकार ने 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन मेरा अनुमान है कि सरकार लक्ष्य की अवधि को आगे बढ़ाकर 2035-40 तक कर सकती है। उनका सुझाव है कि अब समय आ गया है कि भारत सरकार परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में बड़े पैमाने पर निवेश करे। जन प्रतिनिधियों को इस बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। डॉ. प्रसाद देश के उन चुनिंदा शिक्षकों में से एक हैं, जिन्हें प्रशासनिक सहित विभिन्न गैर-शिक्षण क्षेत्रों में उत्कृष्ट दक्षता प्राप्त है। केमिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी प्राप्त करने के बाद डॉ. प्रसाद ने आंध्र विश्वविद्यालय में तीन दशकों तक पढ़ाया, जहां से उन्होंने स्वयं भी शिक्षा प्राप्त की थी।

डुमरांव में पटरी पर मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, 14 मिनट तक स्टेशन पर रुकी सुविधा एक्सप्रेस

- **पूर्वी फाटक के पास डाउन लाइन पर हुआ हादसा, पहचान नहीं होने से बढ़ी गुत्थी; दुर्घटना या आत्महत्या पर जांच शुरू**

केटी न्यूज/डुमरांव

दानापुरझडीडीयू रेलखंड पर शनिवार को डुमरांव रेलवे स्टेशन के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव मिलने से कुछ देर के लिए रेल परिचालन बाधित हो गया। स्टेशन के पूर्वी फाटक के समीप डाउन मेन लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। शव पटरी पर पड़े होने के कारण पटना से मुंबई जा रही सुविधा एक्सप्रेस को करीब 14 मिनट तक डुमरांव स्टेशन पर ही रोके रखना पड़ा।

घटना शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पोल संख्या 644/14 और 644/16 के बीच अचानक एक महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन गुजरने के बाद पटरी पर महिला का शव पड़ा देखा गया, जिसके बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। रेलवे ट्रैक पर शव होने की सूचना मिलते ही स्टेशन प्रशासन और रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

इसी दौरान पटना से मुंबई जा रही सुविधा एक्सप्रेस डुमरांव स्टेशन पर पहुंच चुकी थी। लेकिन ट्रैक साफ नहीं होने के कारण ट्रेन को स्टेशन पर ही रोक दिया गया। लगभग 14 मिनट तक ट्रेन खड़ी रही, जिससे कुछ देर के लिए रेल परिचालन प्रभावित रहा।

सूचना मिलते ही जीआरपी प्रभारी थानाध्यक्ष विकास कुमार पुलिस टीम और रेलकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल शव को पटरी से हटवाया और ट्रैक को खाली कराया। इसके बाद 11:53 बजे सुविधा एक्सप्रेस को आगे के लिए रवाना किया गया, जिसके बाद रेल परिचालन सामान्य हो सका।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खबर लिखे जाने तक मृत महिला की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार महिला की उम्र करीब 40 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की मौत दुर्घटनावश ट्रेन की चपेट में आने से हुई या उसने जानबूझकर पटरी पर आकर आत्महत्या की।

फिलहाल जीआरपी पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास के इलाकों में महिला की पहचान को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सके।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1708 मामलों का निपटारा साढ़े 14 करोड़ से अधिक की राशि पर हुआ समझौता

- **व्यवहार न्यायालय परिसर में लगी 9 बेंचों में बैंक, यातायात, बिजली, आपराधिक व वैवाहिक मामलों का हुआ समाधान**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर के तत्वावधान में शनिवार को वर्ष 2026 की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर में किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के कुल 1708 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 14 करोड़ 75 लाख 55 हजार 951 रुपये की समझौता राशि पर पक्षकारों के बीच सहमति बनी। मामलों के त्वरित निपटारे के लिए कुल नौ बेंचों का गठन किया गया था, जहां न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा पारा विधिक स्वयंसेवकों की उपस्थिति में पक्षकारों के बीच समझौता कराया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर काजल झांब, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय मनोज कुमार प्रथम, जिलाधिकारी साहिला तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्या सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव सह अवर न्यायाधीश नेहा दयाल, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह श्रीनेत, विधिक सहायता प्रतिरक्षा प्रणाली के मुख्य अधिवक्ता विनय कुमार सिन्हा, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव बिंदेश्वरी पांडेय समेत कई न्यायिक पदाधिकारी और अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पैनल अधिवक्ता विष्णु दत्त द्विवेदी ने किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश काजल झांब ने कहा कि लोक अदालत न्याय प्राप्ति का एक सरल, सुलभ और त्वरित माध्यम है। यहां मामलों का निपटारा आपसी सहमति के आधार पर किया जाता है, जिसमें न तो कोई पक्ष हारता है और न ही कोई जीतता है, बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति अपने विवादों का शीघ्र समाधान चाहता है, वह लोक अदालत के माध्यम से अपने मामले का निपटारा करा सकता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नेहा दयाल ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन एक जन अभियान के रूप में किया जाता है। इसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या को कम करना तथा आम लोगों को सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कई बार लोग अपने मामलों को लेकर निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक भटकते रहते हैं, लेकिन लोक अदालत के माध्यम से एक ही दिन में सुलह के आधार पर मामले का समाधान संभव हो जाता है।

लोक अदालत के दौरान विभिन्न प्रकार के मामलों का निपटारा किया गया। बैंक से जुड़े 544 मामलों में समझौता हुआ, जिसमें 13 करोड़ 11 लाख 60 हजार 794 रुपये की राशि पर सहमति बनी। इसके अलावा यातायात से संबंधित 618 मामलों का निपटारा किया गया। वहीं 165 आपराधिक मामलों, 265 विद्युत मामलों, 13 वैवाहिक मामलों और एनआई एक्ट के चार मामलों को भी सुलह-समझौते के आधार पर समाप्त कराया गया।

इसी तरह विभिन्न बैंकों की रिकवरी से जुड़े 98 मामलों में भी समझौता हुआ, जिसमें 1 करोड़ 12 लाख 81 हजार 51 रुपये की राशि पर पक्षकारों ने हस्ताक्षर किए। जिला परिवहन पदाधिकारी से संबंधित मामलों का भी लोक अदालत में समाधान कराया गया।

लोक अदालत में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश उदय प्रताप सिंह, सुदेश कुमार श्रीवास्तव, संजीत कुमार सिंह, अमित कुमार शर्मा, सोनेलाल रजक, कमल कुमार, मानस कुमार वत्सल और अनुपमा सिंह सहित कई न्यायिक पदाधिकारी विभिन्न बेंचों में शामिल रहे। इसके अलावा अवर न्यायाधीश भोला सिंह और महेश्वर नाथ पांडेय तथा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मानवेन्द्र सिंह भी पीठ में उपस्थित थे।

मामलों के निपटारे में पैनल अधिवक्ताओं और पारा विधिक स्वयंसेवकों की भी अहम भूमिका रही। पैनल अधिवक्ताओं में दीपिका कुमारी केसरी, कंचन कुमारी, ज्योति शंकर, धर्मेंद्र कुमार, राजीव कुमार मिश्रा, सेवानंद उपाध्याय, मधु कुमारी, विष्णु दत्त द्विवेदी, रामानंद मिश्रा और रेणु रणविजय ओझा समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे। वहीं पारा विधिक स्वयंसेवकों में कविंद्र पाठक, मनन कुमार सिंह, शिवदयाल पांडेय, प्रमोद कुमार, रामजी यादव, विवेक कुमार और प्रेम प्रकाश चौबे सहित कई लोग सक्रिय रूप से सहयोग करते नजर आए।

कार्यक्रम के दौरान न्यायालय के प्रशासनिक व अन्य कर्मियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनमें सुधीर कुमार, दीपेश कुमार, संजीव कुमार, अशोक कुमार सिंह, प्रभारी प्रशासन राजीव कुमार, नाजिर संतोष द्विवेदी, ओम प्रकाश सिंह और अविनाश सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

लोक अदालत में बड़ी संख्या में पहुंचे पक्षकारों ने अपने मामलों का आपसी सहमति से निपटारा कराया और त्वरित न्याय मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

एक नजर

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए आवेदन 20 मार्च तक

बक्सर। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा संचालित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय दरभंगा एवं किशनगंज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं और 11वीं (कला एवं विज्ञान संकाय) में नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 20 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार इन विद्यालयों में नामांकन राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा 1 अप्रैल को आयोजित होगी, जबकि परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को प्रकाशित किया जाएगा। परीक्षा केंद्र संबंधित जिलों में बनाए जाएंगे। विद्यालयों में पढ़ाई बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के पाठ्यक्रम के अनुसार होगी तथा कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा भी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा ही आयोजित की जाएगी। अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना है। यहां विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा के साथ-साथ आवासीय सुविधा भी प्रदान की जाती है। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भोजन, स्कूल ड्रेस, जूते, पठन-पाठन की सामग्री सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएं, कॉमन रूम, पुस्तकालय, प्रयोगशाला तथा स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। नामांकन के लिए आवेदन पत्र के साथ कुछ आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। इनमें अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्र, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र अथवा अंक-पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति, आवेदक के तीन पासपोर्ट साइज अभिप्रमाणित फोटोग्राफ, जन्म प्रमाण-पत्र या शपथ-पत्र तथा आधार कार्ड की स्वअभिप्रमाणित प्रति शामिल है। इच्छुक अभ्यर्थी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा ऑफलाइन आवेदन पत्र भी संबंधित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में जमा किया जा सकता है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन की प्रति संबंधित जिले के जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में कार्यालय अवधि के दौरान 20 मार्च की शाम 5 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

बच्चा चोर के शक में मोहल्लेवासियों ने महिला को पकड़ पुलिस को सौंपा, जांच के बाद पुलिस ने छोड़ा

डुमरांव। अनुमंडल इलाके में बच्चा चोरी की अफवाहे थमने का नाम नहीं ले रही है। डुमरांव के रजई मिश्र की गली से शनिवार की शाम मोहल्लेवासियों ने एक महिला को बच्चा चोर के शक में पकड़ लिया। मोहल्लेवासियों ने महिला को पकड़ उसे स्थानीय पुलिस के हवाल कर दिया। हालांकि, पुलिस की जांच में लोगों का आरोप निर्मूल साबित हुआ। महिला डुमरांव के ही किसी दूसरे मोहल्ले की रहने वाली निकली तथा कई लोगों ने उसकी पहचान कर इस बात की पुष्टि की कि वह कोई बच्चा चोर नहीं है। गौरतल हो कि इसके पूर्व अनुमंडल के कई थाना क्षेत्रों में बच्चा चोर के शक में लोगों द्वारा अलग-अलग लोगों को पकड़ पुलिस के हवाले किया जा चुका है, लेकिन किसी मामले में भी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। अभी हाल के दिनों में ही कोरानसराय थाना क्षेत्र के गड़ही डेरा के समीप वाराणसी के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर के एक पंडा को पकड़ लोगों ने कोरानसराय पुलिस के हवाले किया था। वहीं, सिकरौल, ब्रह्मपुर सहित कई थाना क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं घटित हो चुकी है। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पूछताछ के बाद महिला को छोड़ दिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे किसी तरह की अफवाहों में ध्यान न दे तथा किसी अपरिचित को बच्चा चोर समझ उसे शारीरिक व मानसिक कष्ट न पहुंचाए। थानाध्यक्ष ने कहा कि बिहार पुलिस तथा बक्सर पुलिस द्वारा पहले बच्चा चोर की अफवाहों से दूर रहने की एडवाइजरी जारी कर चुका है।

मसूर की वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी पैदावार, किसानों को दी गई तकनीकी जानकारी

केटी न्यूज/चक्की

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में शनिवार को कृषि विभाग की ओर से किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसमें मसूर की वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर खेती की आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों ने किसानों को बताया कि पारंपरिक तरीके की तुलना में वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उत्पादन में काफी वृद्धि संभव है। किसानों को विशेष रूप से मसूर की उन्नत किस्मों, सही समय पर बुवाई, खेत की तैयारी और संतुलित उर्वरक उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही कीट एवं रोग नियंत्रण के प्रभावी उपायों की भी जानकारी दी गई ताकि फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

अधिकारियों ने कहा कि दलहन फसलों की खेती से मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है और किसानों की आमदनी में भी सुधार होता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे प्रमाणित बीजों का उपयोग करें और कृषि विभाग द्वारा सुझाई गई तकनीकों को अपनाएं, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। शिविर के दौरान किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपये की किस्त भेजी गई है। इसके साथ ही किसानों को ई-केवाईसी, किसान पंजीकरण और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं के बारे में भी समझाया गया ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक और कृषि कर्मियों ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं तथा उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। शिविर में किसान रामाश्रय यादव, ललन सिंह, मुकेश कुमार, सुरेश चौधरी, राजेश यादव और विनोद पासवान सहित कई किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित कर किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने की बात कही।

3 बजे से पहले ही दफ्तरों से गायब मिले मनरेगा कर्मी, ग्रामीणों में नाराजगी

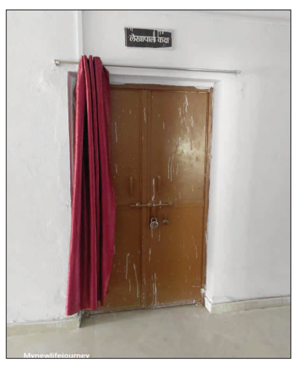

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा भवन में शनिवार को कार्य समय के दौरान ही कर्मियों के अनुपस्थित रहने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद जब मीडिया कर्मी शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे मनरेगा भवन पहुंचे तो वहां अधिकांश कर्मचारी अपने कार्यालय से नदारद मिले।ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा कार्यालय में कार्यरत ऑपरेटर कई दिनों से नियमित रूप से कार्यालय नहीं आ रहे हैं, जिसके कारण जॉब कार्ड, मजदूरी भुगतान, ऑनलाइन प्रविष्टि सहित कई आवश्यक कार्य बाधित हो रहे हैं। इससे मनरेगा से जुड़े मजदूरों और ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।।शनिवार को स्थिति का जायजा लेने पहुंचे पत्रकारों ने देखा कि मनरेगा भवन के ऑपरेटर कक्ष में केवल सफाईकर्मी नंदजी पासवान मौजूद थे, जबकि अन्य कर्मचारी वहां नहीं मिले। कार्यालय में कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। उनका कहना है कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की इस तरह की लापरवाही से आम लोगों के कार्य समय पर नहीं हो पाते।इस संबंध में जब प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) गौरव कुमार से दूरभाष पर संपर्क कर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि कार्यालय के ऑपरेटर फिलहाल छुट्टी पर हैं। उन्होंने कहा कि यहां लेखपाल को प्रभार दिया गया है, जो सप्ताह में मंगलवार और गुरुवार को कार्यालय आती हैं। उन्होंने आगे बताया कि वे स्वयं भी यहां प्रभार पर है सामान्य रूप से मंगलवार एवं गुरुवार को ही कार्यालय आते हैं। हालांकि जरूरत पड़ने पर कभी भी कार्यालय आ जाते हैं।इधर ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा कार्यालय में नियमित रूप से कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि मजदूरों और लाभुकों के कार्य समय पर पूरे हो सकें। लोगों ने संबंधित विभाग से इस मामले में संज्ञान लेकर व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

आईटीआई बक्सर में 16 मार्च को अप्रेंटिसशिप नियोजन मेला

- **आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार का अवसर, टाटा मोटर्स की दो इकाइयां करेंगी चयन**

केटी न्यूज/बक्सर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बक्सर परिसर में 16 मार्च को एक दिवसीय अप्रेंटिसशिप नियोजन मेले का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन बिहार सरकार के युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में किया जा रहा है। इस मेले के माध्यम से आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में प्रशिक्षण एवं रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा।

संस्थान के प्राचार्य मो. मसूद रशीद ने बताया कि इस नियोजन मेले में टाटा मोटर्स की लखनऊ तथा पंतनगर इकाइयों को आमंत्रित किया गया है। दोनों कंपनियों के प्रतिनिधि मेले में उपस्थित रहकर आईटीआई पास अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, जिससे उन्हें उद्योगों में प्रशिक्षण के साथ रोजगार का रास्ता भी खुल सकता है। प्राचार्य ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे 16 मार्च को सुबह 10 बजे तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बक्सर के परिसर में पहुंचकर नियोजन मेले में भाग लें। अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोडाटा तथा हाल का पासपोर्ट आकार का फोटो अनिवार्य रूप से लाना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि मेले में आने वाले अभ्यर्थियों को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ उसकी छायाप्रति भी साथ रखनी चाहिए, ताकि चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संस्थान प्रशासन का मानना है कि ऐसे नियोजन मेलों से स्थानीय युवाओं को घर के पास ही रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर मिलते हैं। इससे युवाओं को तकनीकी दक्षता के आधार पर बेहतर भविष्य बनाने में मदद मिलती है। इसलिए अधिक से अधिक आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

कड़ी पुलिसिंग का असर: ट्रक लूट का खुलासा, शराब-गांजा जब्ती और ट्रैफिक सुधार के लिए नया भोजपुर थानाध्यक्ष सम्मानित

- **क्राइम मीटिंग में एसपी ने दिया प्रशस्ति पत्र, एनएच-922 पर डबल लाइन ट्रेलरों पर सख्ती से जाम की समस्या में आई कमी**

केटी न्यूज/डुमरांव

अपराध नियंत्रण, मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई और एनएच-922 पर यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार को पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान जिला मुख्यालय में आयोजित क्राइम मीटिंग के दौरान दिया गया, जहां जिले के विभिन्न थानों के कार्यों की समीक्षा भी की गई।

एसपी ने थानाध्यक्ष के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में नया भोजपुर थाना पुलिस ने कई महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई कर बेहतर पुलिसिंग का उदाहरण पेश किया है। अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में उनके प्रयास उल्लेखनीय रहे हैं। विशेष रूप से एनएच-922 पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए चलाए गए अभियान की काफी सराहना की गई। उत्तर प्रदेश से लेकर ब्रह्मपुर तक जाने वाले इस व्यस्त मार्ग पर भारी वाहनों की संख्या अधिक रहने के कारण अक्सर लंबा जाम लग जाता था। ट्रकों और ट्रेलरों के एक ही लेन में डबल लाइन बनाकर चलने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी।

इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नया भोजपुर थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रेलर चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। कई वाहनों से लाखों रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया। पुलिस की इस सख्ती का असर यह हुआ कि ट्रेलरों द्वारा डबल लाइन बनाकर चलने की प्रवृत्ति पर काफी हद तक रोक लगी और यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। इसके अलावा 19 फरवरी को कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में हुई ट्रक लूट की घटना के खुलासे में भी नया भोजपुर थानाध्यक्ष की अहम भूमिका रही। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर महज 48 घंटे के भीतर मामले का उद्भेदन कर दिया। इस कार्रवाई में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिससे पुलिस की तत्परता और पेशेवर कार्यशैली की भी सराहना हुई। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ भी नया भोजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जनवरी माह में पुलिस ने एक ट्रक से 7,866 लीटर शराब बरामद की थी। इसके अलावा ईंट की आड़ में ले जाए जा रहे एक ट्रैक्टर से 803 लीटर विदेशी शराब और 22 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था। इन मामलों में कुल पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सम्मान मिलने पर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने इसका श्रेय अपनी पूरी पुलिस टीम को दिया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के सामूहिक प्रयास, सतर्कता और टीमवर्क की बदौलत ही यह सफलता संभव हो पाई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे भी क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इसी तरह अभियान जारी रखा जाएगा।

डीएम सहिला ने दिया पावर प्लांट प्रभावित क्षेत्रों के विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

- **सांसद की अध्यक्षता में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन समिति की बैठक, रोजगार, मुआवजा और मूलभूत सुविधाओं की हुई समीक्षा**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन समिति की बैठक शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में पावर प्लांट से प्रभावित क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं तथा प्रभावित परिवारों को मिलने वाले लाभों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान मॉडल विद्यालय के निर्माण, बक्सर नगर भवन के जीर्णोद्धार, चौसा नगर भवन के निर्माण, चौसा प्रखंड में शवदाह गृह की स्थापना, शव वाहन की खरीद, विभिन्न स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाने तथा सामुदायिक भवन सह विवाह भवन के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों की समीक्षा की गई।

सांसद ने कहा कि पावर प्लांट परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन योजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है, उनके कार्यान्वयन में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे हों, ताकि स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक में पावर प्लांट से प्रभावित परिवारों को मिलने वाले पुनर्वास अनुदान के वितरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्रभावित परिवारों के बीच अनुदान राशि के वितरण में तेजी लाई जाए और प्रक्रिया को पारदर्शी तथा सुगम बनाया जाए, ताकि पात्र परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसके साथ ही पावर प्लांट से प्रभावित क्षेत्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सांसद ने कहा कि परियोजना के कारण जिन क्षेत्रों के लोग प्रभावित हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि इस दिशा में ठोस पहल की जाए और प्रभावित परिवारों के युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए।

बैठक में प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सुथरे पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने पर जोर दिया गया, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके और लोगों को इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो सके।

एक नजर

डुमरांव में लाइसेंस राज की हकीकत: 1052 दुकानों में सिर्फ 12 के पास ट्रेड लाइसेंस

डुमरांव। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में व्यापारिक प्रतिष्ठानों की बड़ी संख्या बिना ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रही है। नगर परिषद के हालिया आंकड़ों ने प्रशासन के साथ-साथ शहरवासियों को भी चौंका दिया है। नगर परिषद के अनुसार पूरे क्षेत्र में 1052 कमर्शियल प्रॉपर्टी चिन्हित की गई हैं, लेकिन इनमें से महज 12 प्रतिष्ठानों के पास ही वैध ट्रेड लाइसेंस है। यानी लगभग पूरा व्यापारिक तंत्र नियमों के बाहर चल रहा है। नगर परिषद प्रशासन का मानना है कि इसी कारण हर वर्ष लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। पिछले दो वर्षों में शहर में कई नए मॉल और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश ने भी ट्रेड लाइसेंस नहीं लिया है और बिना अनुमति के संचालन कर रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए नगर परिषद ने अब सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया है। गुरुवार को नगर परिषद की ओर से 35 दुकानदारों और मॉल संचालकों को ट्रेड लाइसेंस लेने के लिए नोटिस जारी किया गया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने बताया कि नोटिस प्राप्त दुकानदारों को एक सप्ताह के भीतर ट्रेड लाइसेंस बनवाना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय सीमा के बाद भी लाइसेंस नहीं लेने पर बिहार नगरपालिका अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खुले में मीट बिक्री पर भी शिकंजा: नगर परिषद ने शहर में खुले में मीट और मांस बेचने वालों के खिलाफ भी अभियान तेज कर दिया है। खासकर राज हाई स्कूल के आसपास सड़क किनारे खुले में मीट-मांस बेचने वाले करीब 25 दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सड़क किनारे खुले में इस तरह का व्यवसाय अब स्वीकार नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना और अन्य कार्रवाई की जा सकती है।

फिर उठा स्लॉटर हाउस का मुद्दा: मीट और मछली दुकानों को व्यवस्थित करने के लिए शहर में स्लॉटर हाउस के निर्माण की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। जानकारी के अनुसार भट्टी रोड स्थित नगर परिषद का पुराना स्लॉटर हाउस वर्षों पहले बंद हो गया था और अब वह जर्जर हालत में खंडहर में बदल चुका है। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में डुमरांव सामाजिक मंच के प्रदीप शरण ने पुराने स्लॉटर हाउस की मरम्मत कराने और शहर के सभी मीट-मछली दुकानदारों को वहीं स्थानांतरित करने की मांग उठाई थी। नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि स्लॉटर हाउस के मरम्मत कार्य को लेकर जूनियर इंजीनियर से सर्वे कराया गया है। सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर में मीट और मछली की दुकानों को व्यवस्थित किया जा सके और स्वच्छता के मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके।

भटके युवक को पुलिस ने मिलाया परिवार से, दोनों थानों की तत्परता से मिली राहत

डुमरांव। नया भोजपुर थाना पुलिस की सतर्कता और मानवीय पहल से भटक रहे एक युवक को सुरक्षित उसके परिवार से मिला दिया गया। युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह रास्ता भटककर पुराना भोजपुर क्षेत्र में पहुंच गया था। पुलिस की तत्परता से समय रहते उसे संरक्षण में लेकर परिजनों तक पहुंचा दिया गया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। जानकारी के अनुसार नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार को सूचना मिली कि पुराना भोजपुर इलाके में एक युवक इधर-उधर भटक रहा है और उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने गश्ती दल को मौके पर भेजा। पुलिस टीम ने युवक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और उसे नया भोजपुर थाना लाया। थाने में पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम गोबिंद कुमार, पिता हरिशंकर सिंह तथा अपना गांव चंदा भरियार बताया। युवक की बताई गई जानकारी के आधार पर नया भोजपुर थाना पुलिस ने चक्की थाना से संपर्क किया। इसके बाद चक्की थानाध्यक्ष अजय कुमार के माध्यम से युवक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में नगर परिषद पहुंची, गुमटी का छज्जा स्वयं हटाया

केटी न्यूज, डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद की टीम शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत शहर में पहुंची। इस दौरान जदयू प्रखंड अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता की पान की गुमटी के निकले हुए छज्जे को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। नगर परिषद की सिटी मैनेजर स्तुति सिन्हा जेसीबी और कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची थीं।

मौके पर पहुंचकर जब कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी, तब गोपाल प्रसाद गुप्ता ने नगर परिषद की सिटी मैनेजर से बातचीत कर कहा कि वह स्वयं गुमटी के निकले हिस्से को हटा देंगे। इसके बाद उन्होंने स्वयं ही छज्जा हटाने का काम शुरू कर दिया। बातचीत के बाद नगर परिषद की टीम जेसीबी और कर्मियों के साथ वहां से वापस लौट गई।

इस संबंध में सिटी मैनेजर ने बताया कि उन्हें उच्च स्तर से मिले निर्देश के आधार पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए भेजा गया था। उन्होंने कहा कि जमीन की मापी कराकर अतिक्रमित हिस्से को चिन्हित किया गया था, जिसके अनुसार कार्रवाई की जा रही थी।

इधर, इस कार्रवाई की जानकारी मिलने पर कुछ स्थानीय लोग और जदयू कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। कार्यकताओं का कहना था कि शहर के कई स्थानों पर फुटपाथ, नाली और सड़कों पर अतिक्रमण है, इसलिए कार्रवाई सभी जगह समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि नगर परिषद पूरे शहर में अतिक्रमण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करे।

तीन दिन से गायब दो मासूम बक्सर स्टेशन पर मिले, पुलिस-आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई से टली बड़ी अनहोनी

- **डुमरांव के आवासीय विद्यालय से अचानक लापता हो गए थे दोनों छात्र, परिजनों में मचा था हड़कंप अफवाहों के बीच पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के आवासीय बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय से रहस्यमय ढंग से लापता हुए दो नाबालिग छात्रों को पुलिस ने तीन दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया है। डुमरांव पुलिस ने आरपीएफ बक्सर के सहयोग से दोनों बच्चों को बक्सर रेलवे स्टेशन से खोज निकाला। बच्चों की सुरक्षित बरामदगी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस के प्रति आभार जताया।

जानकारी के अनुसार चक्की निवासी वशिष्ठ कुमार यादव का 11 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार और औद्योगिक थाना क्षेत्र निवासी धनजी चौहान का 15 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार डुमरांव के हरिजी के हाता स्थित आवासीय बाल शिक्षा निकेतन हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। बताया जाता है कि होली की छुट्टी के बाद मंगलवार को दोनों बच्चे अपने-अपने घर से लौटकर विद्यालय पहुंचे थे। रात में भोजन करने के बाद वे अन्य छात्रों के साथ सोने चले गए, लेकिन बुधवार सुबह जब बच्चों की गिनती हुई तो दोनों अपने बिस्तर पर नहीं मिले।

बच्चों के अचानक गायब होने की जानकारी मिलते ही विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। विद्यालय के प्राचार्य सर्वजीत कुमार ने तुरंत परिजनों को फोन कर घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही चिंतित परिजन डुमरांव थाना पहुंचे और लिखित आवेदन देकर बच्चों की तलाश की गुहार लगाई। बच्चों के लापता होने की खबर से परिवारों में अनहोनी की आशंका गहरा गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डुमरांव पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने विद्यालय और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी जांच शुरू की और रेलवे पुलिस तथा आरपीएफ को भी अलर्ट कर दिया। इसी दौरान शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि दोनों बच्चे बक्सर रेलवे स्टेशन पर देखे गए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम स्टेशन पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाकर दोनों बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों छात्रों को सकुशल बरामद कर लिया गया है और आगे की पूछताछ की जा रही है।

उन्होंने बताया कि बच्चों के लापता होने से परिजनों में काफी चिंता थी, वहीं क्षेत्र में फैल रही बच्चा चोरी की अफवाहों से भी लोग परेशान थे। हालांकि बच्चों की सुरक्षित बरामदगी के बाद सभी ने राहत की सांस ली है।

सड़क के गड्ढों में डाला मछली का बीज, अनोखे विरोध से सरकार का ध्यान खींचने की कोशिश

- **अरियांव से बगेन गोला सड़क की बदहाली पर समाजवादी विचार मंच का प्रदर्शन**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के अरियांव गांव में शनिवार को खराब सड़क और जलजमाव की समस्या को लेकर समाजवादी विचार मंच बिहार के कार्यकताओं ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अरियांव ब्रह्मस्थान से बगेन गोला तक जाने वाली जर्जर सड़क के गड्ढों में मछली का बीज डालकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। इस दौरान कार्यकताओं ने सड़क निर्माण में हो रही देरी और विकास कार्यों में लापरवाही को लेकर नाराजगी भी जताई। समाजवादी विचार मंच के संयोजक संतोष मुखिया की अध्यक्षता में हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अरियांव ब्रह्मस्थान से बगेन गोला होते हुए ब्रह्मपुर प्रखंड तक जाने वाली मुख्य सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश और जलजमाव के कारण सड़क की स्थिति और भी बदतर हो गई है, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकताओं ने बताया कि जलजमाव के कारण सड़क पर कीचड़ और गंदा पानी जमा रहता है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। साथ ही खराब सड़क के कारण आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।

संयोजक संतोष मुखिया ने बताया कि अरियांव ब्रह्मस्थान से बगेन गोला तक लगभग 10 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होना है, जिसकी लागत करीब 6 करोड़ 48 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इस सड़क का निर्माण कार्य 5 मई 2025 से शुरू होकर 4 मई 2026 तक पूरा किया जाना है। लेकिन निर्माण शुरू हुए करीब 10 महीने बीत जाने के बावजूद काम की रफ्तार बेहद धीमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा अब तक अपेक्षित गति से कार्य नहीं कराया गया है। प्रदर्शनकारियों ने सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही सड़क पर जलजमाव की समस्या से तत्काल राहत दिलाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की भी मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार पर विकास कार्यों में लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद जमीनी स्तर पर विकास की गति दिखाई नहीं दे रही है। योजनाओं में भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण आम जनता परेशान है। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर सड़क से जलजमाव की समस्या दूर नहीं की गई और निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई, तो समाजवादी विचार मंच द्वारा दोबारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर हरेंद्र सिंह, मन्नालाल सिंह, कमलेश सिंह, सतीश मौर्य, विश्वामित्र सिंह, रमेश यादव, मुना यादव, पारस दरोगा, सोनू विकास, खेलन सिंह, चंदन सिंह, सुमित, संतोष, अंकित, पलटू सिंह और ओमप्रकाश कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

ट्रेन से बिछुड़कर कृष्णाब्रह्म पहुंचा 10 वर्षीय बालक, परिजनों से मिलाने में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

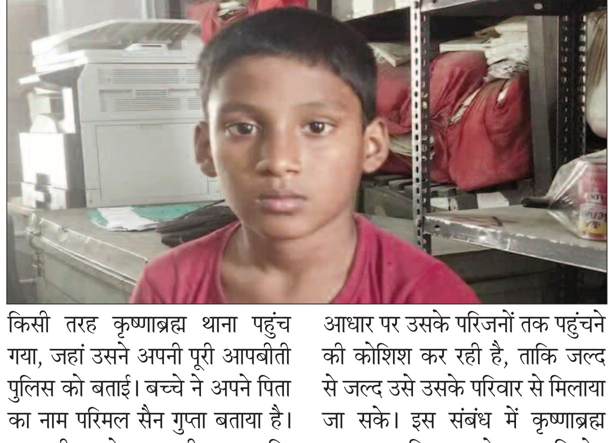

दानापुर रेल मंडल के अंतर्गत टुड़ीगंज स्टेशन के पास शनिवार को एक 10 वर्षीय बालक ट्रेन से बिछुड़कर भटकते हुए कृष्णाब्रह्म थाना पहुंच गया। बच्चे के मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित अपने संरक्षण में लेते हुए उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बालक ने अपना नाम शिवम सैन गुप्ता बताया है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने माता-पिता और भाई के साथ हावड़ा से नई दिल्ली जा रही दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान वह टुड़ीगंज स्टेशन पर शौचालय जाने के लिए ट्रेन से नीचे उतर गया। इसी बीच ट्रेन अचानक आगे के लिए रवाना हो गई और वह वहीं छूट गया। ट्रेन छूट जाने के बाद घबराया हुआ बालक इधर-उधर भटकता रहा और पूछते-पूछते किसी तरह कृष्णाब्रह्म थाना पहुंच गया, जहां उसने अपनी पूरी आपबीती पुलिस को बताई। बच्चे ने अपने पिता का नाम परिमल सैन गुप्ता बताया है। साथ ही उसने इतना ही बताया कि उसका घर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास है और स्टेशन के बगल में दो घर छोड़कर उसका मकान है। फिलहाल कृष्णाब्रह्म थाना की पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में रखा है। पुलिस बच्चे से मिली जानकारी के आधार पर उसके परिजनों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि जल्द से जल्द उसे उसके परिवार से मिलाया जा सके। इस संबंध में कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि ट्रेन से उतरने के कारण एक बच्चा अपने परिवार से बिछुड़ गया था, जो भटकते हुए थाना पहुंचा है। बच्चे को सुरक्षित रखा गया है और उसके माता-पिता से संपर्क कर उसे सकुशल उनके सुपुर्द करने का प्रयास किया जा रहा है।

जयपुर : नेत्र आंसू नाली शोध के लिए जयपुर में डॉ. रवि रंजन हुए सम्मानित

■ एआईओसी के 84वें सर्वश्रेष्ठ सम्मेलन की मिली बड़ी उपलब्धि

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के बहुचर्चित नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.रवि रंजन ने एक बार पुनः उपलब्धि हासिल कर चिकित्सा जगत में मिसाल कायम किया। जहां राजस्थान राज्य के जयपुर में आयोजित सत्र 2026 के ऑल इंडिया

ऑफ्थाल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओसी) 84वें वार्षिक सम्मेलन में 12 से 15 मार्च तक प्रदर्शनी सह सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में विशेष चिकित्सकों की टीम ने भाग लेंगे। जो आयोजित कार्यक्रम राजस्थान में ऑफ्थाल्मोलॉजिकल सोसाइटी के नेतृत्व में पूरे विश्व का सबसे बड़ा नेत्र विज्ञान सम्मेलन के रूप में हुई। जिसमें उन्नत नेत्र देखभाल अनुसंधान,कार्यशालाएं और वैज्ञानिक शामिल हैं। जो नए सत्र के मुख्य प्रारूप में एआईओसी,प्लस-3 मुख्य रहा। साथ ही जयपुर में आयोजित सम्मेलन अंतर्गत मुख्य विवरण में जेईसीसी, जयपुर प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा, जयपुर,राजस्थान से जुड़ी तथ्यों पर विशेष विषय रहेगा। जिस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा,नवाचार और उद्योग साझेदारी के माध्यम से नेत्र विज्ञान को पूरे विश्व स्तर पर अग्रसर करना है। दूसरी तरफ विषय फेकोइमल्सी फिकेशन, ग्लूड-स्क्लेरल फिक्स्ड आईओएल, आइरिस फिक्स्ड आईओएल और विट्रेक्टोमी से जुड़े मुद्दे अहम होंगे। जबकि इस सम्मेलन में नेत्र से जुड़े आंसू की नाली रोग से जुड़े सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए अनुमंडल बिक्रमगंज के नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.रवि रंजन का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। जिनके शोध का मुख्य विषय आंख का संक्रमण था। दूसरी तरफ उनके उपलब्धि पर रोहतास जिले सहित बिक्रमगंज अनुमंडल के सैकड़ों लोगों ने उन्हें शुभकानाएं दी।

बिहार में जमीन सर्वे में लगे अमीनों के लिए सरकार का तोहफा, डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने किया बड़ा ऐलान

रोजाना रिपोर्ट और डायरी भरना अनिवार्य

सर्वेक्षण से जुड़े सभी कर्मियों को अब रोजाना काम की रिपोर्ट मुख्यालय को शाम तक भेजनी होगी। इसके साथ ही अमीन डायरी को प्रतिदिन भरना भी अनिवार्य किया गया है, ताकि काम की सही और समय पर जानकारी मिल सके।

सर्वेक्षण कर्मियों को अन्य कार्य में नहीं लगाया जाएगा

उपमुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सर्वेक्षण से जुड़े कर्मचारियों को किसी अन्य सरकारी काम में नहीं लगाया जाए। इस संबंध में भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजेंगे।

कितने जिलों में चल रहा है काम?

विशेष सर्वेक्षण के पहले चरण में 20 जिलों के 89 अंचलों में कुल 5657 मौजों में सर्वे का काम चल रहा है। इनमें से 1838 मौजों में फाइनल पब्लिकेशन पूरा हो चुका है, जो कुल काम का लगभग 33 प्रतिशत है। वहीं, 3662 मौजों में ड्राफ्ट पब्लिकेशन का काम पूरा हो चुका है। फाइनल पब्लिकेशन के मामले में शेखपुरा जिला 78 .52 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है।

एजेंसी। पटना

बिहार में विशेष भूमि सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा शुक्रवार को डिप्टी सीएम और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने की। बैठक में उन्होंने सभी जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वेक्षण का काम तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो अमीन सर्वेक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, उन्हें भविष्य में विभाग में होने वाली स्थायी बहाली में प्राथमिकता दी जाएगी। उनका कहना था कि इससे कर्मियों में काम के प्रति उत्साह बढ़ेगा और सर्वेक्षण तेजी से पूरा होगा। सिन्हा ने कहा कि अब तक सर्वेक्षण कार्य में हुई देरी के कारणों की पहचान की जाए और उन्हें तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य की माइक्रो मॉनिटरिंग की जाएगी, यानी हर स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। `सर्वेक्षण से जुड़े सभी कर्मियों को अब रोजाना काम की रिपोर्ट मुख्यालय को शाम तक भेजनी होगी। इसके साथ ही अमीन डायरी को प्रतिदिन भरना भी अनिवार्य किया गया है, ताकि काम की सही और समय पर जानकारी मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सर्वेक्षण से जुड़े कर्मचारियों को किसी अन्य सरकारी काम में नहीं लगाया जाए। इस संबंध में भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजेंगे। विशेष सर्वेक्षण के पहले चरण में 20 जिलों के 89 अंचलों में कुल 5657 मौजों में सर्वे का काम चल रहा है। इनमें से 1838 मौजों में फाइनल पब्लिकेशन पूरा हो चुका है, जो कुल काम का लगभग 33 प्रतिशत है। वहीं, 3662 मौजों में ड्राफ्ट पब्लिकेशन का काम पूरा हो चुका है। फाइनल पब्लिकेशन के मामले में शेखपुरा जिला 78.52 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। बैठक में बताया गया कि मुजफ्फरपुर, सिवान, वैशाली, पटना, रोहतास और बेगूसराय जिलों में सर्वेक्षण कार्य की रफ्तार बेहतर है। समीक्षा बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे और उन्होंने सर्वेक्षण कार्य में समयबद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। `विशेष भूमि सर्वेक्षण का यह कार्य बिहार में जमीन के रिकॉर्ड को सटीक बनाने और जमीन विवादों को कम करने के लिए अहम माना जा रहा है। डिप्टी सीएम के निर्देशों के बाद अब इस सर्वेक्षण में गति आने की संभावना है और आम जनता को जल्द ही इसके लाभ दिखाई देंगे।

पीएचसी मे 16 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

केटी न्यूज/रोहतास

कोचस प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 16 महिलाओ का सफलतापूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन जिले से आए सूर्या क्लिनिक के डॉक्टर तथा पीएचसी चिकित्सको के द्वारा सावधानी और मानकों के अनुसार किया गया। पीएससी प्रभारी तुषार कुमार ने बताया कि कोचस पीएससी मे 18 महिलाओ को चयनित किया गया। जहां जिले से आए सूर्या क्लिनिक के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में 16 महिलाओ का सफलता पूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया । पीएचसी प्रभारी ने बताया बंध्याकरण एक सुरक्षित और स्थाई परिवार नियोजन उपाय है, इससे जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति और मातृत्व शिशु स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा पीएससी में बंध्याकरण कराने वाले लाभार्थियों को बिहार सरकार मुख्यमंत्री परिवार नियोजन प्रोत्साहन योजना के तहत दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता लाभार्थियों के खाते में राशि डाल प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर परिवार नियोजन के स्थाई उपायों को अपनाने के लिए अपील कर रही है। जागरूकता के दौरान अभिभावकों से मिल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जा सलाह ले बंध्याकरण के लिए प्रेरित किया जाता है। फिलहाल सभी महिलाओं को पीएससी में रखा गया है चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य की देखे की जा रही है, स्थिति में सुधार आने के बाद एंबुलेंस से अगले दिन घर छोड़ा जाएगा। मौके पर पीएचसी प्रभारी डॉक्टर तुषार कुमार, मैनेजर मतीउर रहमान ताज, चिकित्सक, एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

बिक्रमगंज : गैस सिलेंडर कालाबाजारी के विरुद्ध एसडीएम के कड़े एक्शन से हड़कंप

■ होटल और प्रतिष्ठानों से जब्त हुए घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर

केटी न्यूज/रोहतास

एसडीएम प्रभात कुमार बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र हमेशा अपने कार्यो से चर्चा में रहते है। जिसे लेकर शुक्रवार को एसडीएम प्रभात कुमार ने पूरे अनुमंडल क्षेत्र में एक बार पुनः घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़े एक्शन मुड़ में दिखे। जिनके नेतृत्व में प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी बिक्रमगंज, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी संझौली और स्थानीय पुलिस बल के साथ रात्रि 9 बजे से बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न होटल और प्रतिष्ठानों में पहुंच घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक अवैध उपयोग के विरुद्ध औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस निरीक्षण के क्रम में विभिन्न होटल सहित कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जिस जांच के दौरान चार होटल व प्रतिष्ठानों के

संचालकों द्वारा घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते पकड़े गए। जो एलपीजी गैस विनियमन आदेश 2000 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के विरुद्ध है। छापेमारी में उक्त प्रतिष्ठानों से प्राप्त कुल 9 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों को जब्त कर स्थानीय थाना में सुरक्षित जमा करा दिया है। साथ ही इस मामलें ने संबंधित होटल संचालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि पूर्व में भी इस प्रकार के मामलों में अनुमंडल प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। जिस लेकर विगत 21अगस्त 2025 को चार होटल संचालकों के विरुद्ध घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने के आरोप में प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, बिक्रमगंज द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जबकि 26 अगस्त 2025 को भी तीन होटल संचालकों के विरुद्ध इस प्रकार के कृत्य के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त राजपुर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राजपुर के द्वारा एक व्यक्ति के विरुद्ध अफवाह फैलाकर एलपीजी गैस की कृत्रिम कमी उत्पन्न करने के प्रयास के संबंध में भी कार्रवाई की गई है। इस संदर्भ में एसडीएम प्रभात कुमार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भी घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। अतः आप किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए अतिरिक्त सिलेंडरों की खरीद अथवा जमाखोरी न करें। जो ऐसा करना आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय है और दोषी पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आगे भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

एक नजर

अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार,वांछित गिरफ्तार

कारकाट (रोहतास) स्थानीय थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ सतत अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में छापामारी टीम ने नाद गांव सरकारी स्कूल के नजदीक पुलिया पर छापा मारा। वहां देसी महुआ शराब बेचने वाले धंधेबाज को 18.10 लीटर शराब के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी नाद गांव निवासी रामेश्वर पासवान उर्फ विगाड़ी के पुत्र पंकज कुमार है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि कई दिनों से इस धंधेबाज पर नजर रखी जा रही थी। गुप्त सूचना मिलते ही टीम गठित कर छापेमारी की गई। आरोपी को शराब के साथ धर दबोचा गया और जरूरी कानूनी कार्रवाई पूरी कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी और तेज कर दी गई है, ताकि क्षेत्र में शराबबंदी कानून का पूर्ण पालन हो सके।

वारंटियों पर हुई कार्रवाई

सासाराम। थाना पुलिस ने सासाराम न्यायालय से जारी वारंट पर तीन अन्य आरोपी भी गिरफ्तार किए। किरही गांव निवासी सोनम कुमार, छोटू कुमार और प्रभात कुमार पॉस्को एक्ट के गवाह के तौर पर वांछित थे। तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष ने अपील की कि आमजन पुलिस को अवैध गतिविधियों की सूचना दें, ताकि अपराध पर लगाम लगाई जा सके। काराकाट थाना क्षेत्र में शराब तस्करी और अन्य अपराधों पर पुलिस की नजर बनी हुई है।

पंचायत सरकार भवन पर सद्भावना बैठक सम्पन्न

कोचस। प्रखंड क्षेत्र के कथराई पंचायत सरकार भवन पर रामनवमी तथा रमजान को लेकर शनिवार को प्रशासनिक पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों की बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता कथराई पंचायत के मुखिया निर्मला देवी तथा मुखिया प्रतिनिधि जयशंकर गुप्ता ने किया। इस बैठक मे बीडीओ, थाना प्रभारी, मुखिया, बीडीसी के साथ अन्य ग्रामीणों की गरिमा मई उपस्थिति रही।थाना अध्यक्ष रामचंद्र चौपाल ने कहा कि रमजान एक पवित्र मन है इसे शांतिपूर्ण तरीके से संबंध करना हम सब भी का दायित्व बनता है ईद में आपसी भाईचारा का परिचय देते हुए आपसी सौहार्द कायम रखना है। डीजे पर पूर्ण रब से प्रबंध रहेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाहों से बचने और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। ऑरडियो सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपक कुमार ने कहा कि रमजान और रामनवमी पर साफ सफाई और बिजली पानी की समुचित व्यवस्था की जानी है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे और लोग आपसी सहयोग भी करें, हम सब संकल्प ले कि एक दूसरे से मिलकर अपने क्षेत्र में एकता और प्रेम की मिसाल पेश करेंगे। वहीं बैठक में उपस्थित सभी ने एक स्वर में त्योहारों को शांतिपूर्ण और मिलजुल कर मनाने का संकल्प लिया।

18 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक गिरफ्तार

काराकाट । थाना क्षेत्र के नाद गांव में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कारोबारी को 18 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नाद गांव निवासी राम ईश्वर पासवान उर्फ बिगाड़ी पासवान के पुत्र पंकज कुमार को पुलिस ने गांव के ही स्कूल के समीप से गिरफ्तार कर लिया । उसके पास से 18 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई है । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ स्थानीय थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है । गिरफ्तार कारोबारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह के धंधे में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

ईद व रामनवमी पर्व को लेकर बीपीआरओ ने की बैठक

काराकाट । जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को काराकाट बीपीआरओ रेणुका कुमारी की अध्यक्षता में आगामी ईद-उल-फितर एवं रामनवमी पर्व को लेकर ग्राम पंचायत बुढ़वल,देव एवं मोथा में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ सदभावना समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दोनों पर्व को आपसी भाईचारा,शांतिपूर्वक,सौहार्दपूण वातावरण में मनाने हेतू अपील किया गया। मौके पर बिरेंन्द्र सिंह,अजय सिंह,सरपंच कामेश्वर प्रसाद, पंचायत समिति विनोद सिंह,जितेंद्र पाल, मनोज कुमार(कचहरी सचिव),पंचायत सचिव सौरभ कुमार, संतोष कुमार,कार्यपालक सहायक मो.ताबिस,राकेश कुमार,विकास मित्र बैजनाथ राम,नितू कुमारी,सरस्वती, ज्योति,सोनी एवं स्थानीय ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

नंप पंचायत शाहपुर के विकास कार्य हेतु करोड़ों का वार्षिक बजट पेश

शाहपुर । सत्र 2026-27 का वार्षिक बैठक शनिवार को नंप पंचायत सभागार में नंप पंचायत शाहपुर के मुख्य पार्षद जुगनू देवी की अधक्षता में हुई। बैठक में पार्षदो ने वार्षिक आय व्यय पर चर्चा की। चर्चा के दौरान सदन में कुल अनुमानित राशि की प्राप्ति 55 करोड़ 619904 रूपए। अनुमानित व्यय 54 करोड़ 11लाख 9 हजार 904 रुपए तथा अनुमानित बचत राशि 1 करोड़ 49 लाख 10 हजार 504 रूपए।का लाभ बजट पेश किया गया है। जिस बजट से शाहपुर की सुरत बदलेगी तथा विकास की गति तेज होगी। आम लोगों तक विकास योजना का प्रयास किया जाएगा। नंप मुख्य पार्षद ने विकास की रपतार में तेजी लाने के लिए कृतसंकलपित है। बैठक में मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद सहित 11 प्रतिनिधि सदन में अपनी भाग लिए। बैठक में उप मुख्य पार्षद झूनिया देवी,नंप कार्यपालक पदाधिकारी नेशात आलम, जेई जयनंदन चौधरी,प्रधान सहायक सुशील कुमार, पार्षद आरती देवी, मनोज पासवान, मो शाहिद अनवर उर्फ शागीर, देवंती देवी, संजय चतुवेर्दी, मधूमाला देवी,उर्मिला देवी,नीलू देवी, आदि प्रमुख रूप से थे।

पटना के पास बनेगी बेंगलुरु मॉडल इलेक्ट्रॉनिक सिटी एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार पटना के आसपास बेंगलुरु की तर्ज पर ह्यइलेक्ट्रॉनिक सिटीह्न विकसित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना के जरिए देश की बड़ी टेक कंपनियों को बिहार में निवेश के लिए आकर्षित करने की कोशिश होगी। अनुमान है कि इस सिटी के विकसित होने से करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल के निर्देश पर उद्योग सचिव कुंदन

कुमार और वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय दल बेंगलुरु पहुंच गया है। यह टीम वहां की इलेक्ट्रॉनिक सिटी का अध्ययन कर उसकी कार्यप्रणाली, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक इकोसिस्टम को समझेगी। अध्ययन के बाद टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी। टीम बेंगलुरु की करीब 800 एकड़ में फैली इलेक्ट्रॉनिक सिटी का बारीकी से अध्ययन करेगी। यहां इंफोसिस, विप्रो और टीसीएस जैसी 200 से अधिक कंपनियां काम कर रही हैं। इन कंपनियों के इकोसिस्टम, सुविधाओं और संचालन व्यवस्था को समझकर बिहार सरकार पटना के पास एक विश्वस्तरीय आईटी हब विकसित करने की योजना को अंतिम रूप देगी। राज्य सरकार की योजना है कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी को पटना के आसपास विकसित किया जाए, जिससे राजधानी के पास उद्योगों का नया क्लस्टर तैयार हो सके। सरकार पहले से ही पटना के पास फिनटेक सिटी, लॉजिस्टिक पार्क और एजुकेशन सिटी विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। अब इलेक्ट्रॉनिक सिटी को भी इसी विकास श्रृंखला का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है। प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक सिटी में ट्रांजिस्टर, डायोड, माइक्रोप्रोसेसर और इंटीग्रेटेड सर्किट जैसे मूल इलेक्ट्रॉनिक घटकों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा कंप्यूटर, मोबाइल फोन, टेलीविजन, स्मार्ट टीवी, लैपटॉप, डिजिटल कैमरा और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्माण की भी संभावना है। बेंगलुरु की इलेक्ट्रॉनिक सिटी देश का प्रमुख आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स औद्योगिक केंद्र मानी जाती है और बिहार सरकार इसी मॉडल से प्रेरणा लेकर राज्य में बड़ा टेक और इलेक्ट्रॉनिक्स हब विकसित करना चाहती है।

बिजली बिल से राहत के लिए अपनाएं सोलर योजना,31 मार्च तक करें आवेदन

केटी न्यूज/रोहतास

गरीब एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों को बिजली बिल से राहत देने तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा कुटीर ज्योति (बीपीएल) उपभोक्ताओं के लिए सोलर योजना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत पात्र उपभोक्ताओं के घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है। विद्युत अधीक्षण अभियंता, सासाराम ई. इंद्रदेव कुमार ने बताया कि कुटीर ज्योति योजना से जुड़े बीपीएल परिवारों को इस योजना का लाभ देकर उनके बिजली खर्च को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगने के बाद उपभोक्ता घरेलू उपयोग की बिजली सौर ऊर्जा से प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना गरीब परिवारों को आर्थिक राहत प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम होगी तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय कर्मी पात्र उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी अवगत करा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें। इच्छुक कुटीर ज्योति (बीपीएल) उपभोक्ता अपने नजदीकी विद्युत कार्यालय में संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा स्मार्टफोन के माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से ह्यसुविधा ऐपह्न डाउनलोड करें और उसमें ह्यरूफटॉप सोलर पैनल स्थापन हेतु सहमति (कुटीर ज्योति)ह्न विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद उपभोक्ता संख्या दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करें। योजना की शर्तों को पढ़कर सहमति देने के दौरान आवेदक को एक पता प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड अथवा अन्य पात्रता प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा तथा छत का फोटो या आवश्यक विवरण भरकर आवेदन सबमिट करना होगा। आवेदन प्राप्त होने के बाद पात्रता की जांच कर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। विभाग ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 31 मार्च तक इस योजना के लिए आवेदन कर इसका अधिकतम लाभ उठाएं। इस योजना से जहां एक ओर बिजली बिल का बोझ कम होगा, वहीं दूसरी ओर ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

पटना में चिकन पॉक्स का प्रकोप, एक हफ्ते में 50 लोग संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैंप

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना के नौबतपुर प्रखंड स्थित गोपालपुर गांव में चिकन पॉक्स के प्रकोप से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव के दलित टोला में पिछले एक सप्ताह के भीतर करीब 30 परिवारों के लगभग 50 लोग चिकन पॉक्स से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें ज्यादातर छोटे बच्चे शामिल हैं। बीमारी के तेजी से फैलने की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है और मेडिकल टीम को गांव में कैंप करने के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंचकर लोगों की जांच कर रही है और प्रभावित परिवारों को दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही पूरे गांव के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण शुरू कर दिया गया है, ताकि संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि शुरूआती दौर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से लापरवाही बरती गई, जिसके कारण बीमारी तेजी से फैल गई। गांव के निवासी सुनील शर्मा ने बताया कि

शुक्रवार को तीन मरीजों को लेकर परिजन नौबतपुर के रेफरल अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें उचित इलाज नहीं मिल सका। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में डॉक्टरों और दवाइयों की कमी के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है। वहीं गांव के ही संतोष कुमार ने बताया कि उनके परिवार के छह लोग चिकन पॉक्स से प्रभावित हैं, जिनमें चार बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को नौबतपुर रेफरल अस्पताल से डॉक्टरों की एक टीम गांव पहुंची थी और कुछ मरीजों को दवाइयां दी गई थीं। संतोष कुमार के मुताबिक एक डॉक्टर गांव आई थीं, जिन्होंने मरीजों को देखा और कुछ आवश्यक दवाइयां देकर वापस चली गईं। लेकिन अब तक गांव में सभी मरीजों का व्यवस्थित इलाज शुरू नहीं हो सका है। इस मामले में आशा कार्यकर्ता रजनी कुमारी ने बताया कि उन्होंने अस्पताल प्रभारी को सभी मरीजों की सूची और स्थिति की जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि गांव में बीमारी फैलने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग को सतर्क कर दिया गया था। वहीं एएनएम पुष्पा ने बताया कि गोपालपुर की नियमित एएनएम चंद्रावती कुमारी छुट्टी पर हैं, इसलिए फिलहाल उन्हें इस क्षेत्र का प्रभार दिया गया है।

समृद्धि यात्रा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिया बेगूसराय और शेखपुरा को 480 करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का तोहफा

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का तीसरा चरण आज बेगूसराय और शेखपुरा जिले में संपन्न होगा। इस चरण के अंतिम दिन मुख्यमंत्री दोनों जिलों में करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे विभिन्न विभागों के अधिकारियों और मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा भी लेंगे। सरकारी जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेगूसराय जिले में कुल 354 योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इनमें 109 करोड़ रुपये की लागत से 189 योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, जबकि 165 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 211 योजनाओं का उद्घाटन होगा। इन योजनाओं में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, ग्रामीण विकास और आधारभूत संरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री यहां बेगूसराय मेडिकल कॉलेज परिसर का भी निरीक्षण कर सकते हैं। साथ ही जिले में संचालित कुछ औद्योगिक इकाइयों और फैक्ट्रियों का भी अवलोकन करने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री का उद्देश्य क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने वाली योजनाओं की प्रगति को देखना है। बेगूसराय के बाद मुख्यमंत्री का कार्यक्रम शेखपुरा जिले में निर्धारित है। यहां वे 144 करोड़ रुपये की लागत से 120 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा 62 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुकी 196 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण सड़कों के निर्माण, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और शिक्षा से जुड़े ढांचागत विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री यहां भी विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे और संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दे सकते हैं। समृद्धि यात्रा के दौरान दोनों जिलों में जनसंवाद कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी जीविका दीदियों से बातचीत करेंगे और उनकी समस्याओं तथा सुझावों को सुनेंगे। इस दौरान सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं और आजीविका कार्यक्रमों की समीक्षा भी की जाएगी। मुख्यमंत्री के साथ यात्रा में बिहार सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहेंगे।

सहरसा और खगड़िया में हुई थी पिछली यात्रा

इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा रँ१२ और ङँ१ं जिलों में हुई थी। वहां भी उन्होंने कई करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में चल रही विकास योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विस्तार का जिक्र किया था। इसी दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सहरसा में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा था कि अगले महीने इसके निर्माण से जुड़ा टेंडर जारी किया जाएगा। समृद्धि यात्रा के जरिए राज्य सरकार का उद्देश्य जिलों में चल रही विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत को देखना, अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देना और जनता से सीधे संवाद स्थापित करना बताया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस यात्रा से विकास कार्यों की गति और निगरानी दोनों को मजबूती मिलेगी।

एक नजर

गैस किल्लत की चर्चा के बीच मुंगेर में बढ़ी इंडक्शन चूल्हों की मांग, दुकानों पर उमड़ रहे ग्राहक

मुंगेर। खाड़ी देशों में युद्ध की खबरों और गैस की संभावित किल्लत की चर्चा के बीच अब बाजार में इंडक्शन चूल्हों की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। बिहार के मुंगेर में लोग एलपीजी गैस की अनिश्चितता को देखते हुए इंडक्शन चूल्हों की ओर रुख कर रहे हैं। दुकानों पर इनकी बिक्री अचानक बढ़ गई है और बड़ी संख्या में ग्राहक इन्हें खरीदने पहुंच रहे हैं। दरअसल, खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण गैस की सप्लाई और कीमतों को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर गैस की किल्लत से जुड़ी खबरें फैलने के बाद लोग पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुट गए हैं। इसका असर अब बाजार में भी साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। मुंगेर के इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री अचानक बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में पहले की तुलना में कई गुना अधिक ग्राहक इंडक्शन चूल्हा खरीदने आ रहे हैं। पहले कभी-कभार ही लोग इंडक्शन चूल्हा लेने आते थे, लेकिन गैस किल्लत की चचाओं के बाद अब रोजाना काफी संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, ग्राहक यह कहते हुए इंडक्शन चूल्हा खरीद रहे हैं कि अगर गैस की समस्या हो जाए तो खाना बनाने में परेशानी न हो। इसलिए वे पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहते हैं। वहीं ग्राहकों का भी मानना है कि गैस की संभावित कमी और बढ़ती कीमतों को देखते हुए इंडक्शन चूल्हा एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। कई ग्राहकों का कहना है कि इन दिनों गैस को लेकर काफी चर्चा हो रही है और एजेंसियों पर लंबी लाइनें भी लग रही हैं। ऐसे में उन्होंने सोचा कि इंडक्शन चूल्हा खरीद लेना बेहतर रहेगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उसी पर खाना बनाया जा सके। हालांकि प्रशासन लगातार लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहा है, लेकिन गैस को लेकर बनी अनिश्चितता का असर अब बाजार और लोगों की खरीदारी की आदतों में साफ दिखाई देने लगा है।

पटना में गैस सिलेंडर को लेकर हंगामा: एजेंसी बंद मिलने पर लोगों ने किया सड़क जाम

पटना। राजधानी पटना से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर नाराज लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। गैस एजेंसी में ताला लटका देख स्थानीय लोगों ने बीच सड़क पर प्रदर्शन करते हुए यातायात बाधित कर दिया। यह मामला पीरबहोर थाना क्षेत्र के नया टोला स्थित गैस एजेंसी का है। मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी पटना में गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच लोगों की चिंता बढ़ गई है। इसी के चलते बड़ी संख्या में ग्राहक पीरबहोर थाना क्षेत्र के नया टोला स्थित इंडियन ओम साईं गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए पहुंच गए। हालांकि जब लोगों ने एजेंसी पर ताला लटका देखा तो उनका गुस्सा भड़क उठा। देखते ही देखते मौके पर भीड़ बढ़ गई और आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साए लोगों ने नया टोला के बारी पथ मुख्य सड़क को जाम कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क जाम होने से वहां वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है और एजेंसी बंद होने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

जाली नोट गिरोह का भांडाफोड़ : दो आरोपी गिरफ्तार, 100-100 रुपए के 6 नोट बरामद

एजेंसी। पटना

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना क्षेत्र से जाली नोट के मामले में एक अहम खबर सामने आई है। कोटवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को जाली नोट के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कोटवा ओवरब्रिज के पास टी-मैक्स और बंगरी इलाके के समीप की गई, जहां दोनों युवक संदिग्ध परिस्थिति में घूमते हुए पाए गए। पुलिस के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में कुछ लोग जाली नोटों के साथ घूम रहे हैं और उन्हें बाजार में चलाने की कोशिश कर सकते हैं। सूचना मिलते ही कोटवा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हो गई और तुरंत इलाके में छापेमारी की गई। पुलिस ने जब दोनों युवकों को रोका और उनकी तलाशी ली, तो उनके पास से 100 रुपये के छह जाली नोट बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के रहने वाले रुपनारायण के पुत्र धीरज कुमार तथा ओमप्रकाश पांडेय के पुत्र अभिनव कुमार के रूप में की गई है। पुलिस दोनों से लगातार पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके पास जाली नोट कहां से आए और क्या इस मामले में कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है। कोटवा थानाध्यक्ष करन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसी आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और सघन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान दोनों युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। तलाशी के दौरान उनके पास से जाली नोट बरामद हुए, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में यह मामला छोटा लग सकता है, लेकिन अक्सर ऐसे मामलों के पीछे बड़े नेटवर्क भी सक्रिय होते हैं। इसलिए पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है। बरामद जाली नोटों को जांच के लिए भेजा जा सकता है ताकि यह पता चल सके कि इन्हें किस तकनीक से तैयार किया गया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और उनसे गहन पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इन युवकों ने पहले भी इस तरह की गतिविधियों में हिस्सा लिया है या वे किसी संगठित गिरोह के संपर्क में थे।

पटना के फ्रेजर रोड में दो सिटी बसों के बीच जोरदार टक्कर, कई यात्री घायल

एजेंसी। पटना

पटना के फ्रेजर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास दो सिटी बसों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। ओवरटेक करने के दौरान हुए इस हादसे में कई यात्री घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओवरटेक के चक्कर में यह घटना घटी है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। राजधानी पटना के फ्रेजर रोड इलाके में शनिवार को दो सिटी बसों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा फ्रेजर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से आ रही बस ने आगे चल रही बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में बैठे कई यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बस से घायलों को बाहर निकाला और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा बस चालक की लापरवाही और ओवरटेकिंग के कारण हुआ। हादसे के बाद कुछ देर के लिए फ्रेजर रोड पर यातायात भी प्रभावित रहा। हालांकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को फिर से सामान्य करा दिया।

कारगिल में ड्यूटी के दौरान पश्चिम चंपारण का अग्निवीर मनीष शहीद, गांव में शोक की लहर

एजेंसी। पटना

देश की सुरक्षा करते हुए बिहार का एक और वीर सपूत शहीद हो गया। पश्चिम चंपारण जिले के योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर गांव निवासी मोहन प्रसाद के पुत्र मनीष कुमार (अग्निवीर) करगिल में ड्यूटी के दौरान 13 मार्च 2026 को शहीद हो गए। इस खबर के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार मनीष कुमार अक्टूबर 2023 में अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। वे कर्तव्यनिष्ठ और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे। ड्यूटी के दौरान करगिल क्षेत्र में उनकी शहादत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के लोग भी इस घटना से गहरे सदमे में हैं। बताया जा रहा है कि शहीद मनीष कुमार का पार्थिव शरीर 15 मार्च की सुबह तक उनके पैतृक गांव नवलपुर पहुंचने की संभावना है। गांव में अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है। स्थानीय प्रशासन भी अंतिम संस्कार को लेकर तैयारी में जुटा हुआ है। मनीष कुमार अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे

और उन्हीं की आय से पूरे परिवार का भरण-पोषण होता था। उनकी शहादत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि मनीष हमेशा देश सेवा का सपना देखते थे और उसी सपने को पूरा करते हुए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। इधर, गांव के लोगों ने बिहार सरकार से शहीद के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि शहीद के परिवार को सम्मानजनक मुआवजा दिया जाए, ताकि उनके परिजनों को आर्थिक सहारा मिल सके। ग्रामीण राजन यादव ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि मनीष ने देश के लिए अपनी जान दी है। ऐसे में सरकार का कर्तव्य है कि इस कठिन समय में उनके परिवार की मदद करे। उन्होंने यह भी मांग की कि घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शहीद के छोटे भाई को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी दी जाए। गांव के लोगों का कहना है कि मनीष की शहादत पर पूरे इलाके को गर्व है, लेकिन अब उनके परिवार की जिम्मेदारी सरकार और समाज दोनों को मिलकर उठानी चाहिए। शहीद के सम्मान में गांव में शोक के साथ-साथ गर्व का माहौल भी देखा जा रहा है।

बिहार में अगले तीन दिन गर्मी नहीं करेगी परेशान , चार डिग्री तक गिरेगा पारा

एजेंसी। पटना

बिहार में अगले तीन दिनों तक गर्मी परेशान नहीं करेगी। अहले सुबह और रात गुलाबी ठंड कई जिलों में महसूस होगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान में अगले पांच दिनों तक कोई खास परिवर्तन होने के आसार नहीं हैं। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहा, हालांकि सीतामढ़ी जिले के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई।मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान कैमूर में 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 28.4 से 36.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं न्यूनतम तापमान जीरादेई (सीवान) में 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का न्यूनतम तापमान 17.4 से 25.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।दृश्यता की बात करें तो सबसे कम न्यूनतम दृश्यता भागलपुर में 200 मीटर दर्ज की गई। वहीं वर्षा की मात्रा के अनुसार बैरगनिया में 9.2 मिमी और मेजरगंज में 7.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। राज्य में मौसम सामान्य बना रहेगा, हालांकि तापमान में संभावित गिरावट से लोगों को हल्की राहत मिल सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र ने राजधानी के लिए अगले पांच दिनों का पूर्वानुमान जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार शहर में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, जबकि तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 14 मार्च को पटना में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। वहीं 15 मार्च को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि मौसम आंशिक रूप से बादलों वाला रहेगा।

16 से 18 मार्च तक कैसा रहेगा पटना का मौसम

16 और 17 मार्च को भी मौसम लगभग इसी तरह रहने का अनुमान है। इन दोनों दिनों में अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान भी आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। 18 मार्च को मौसम में थोड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दिन आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय भी जान लीजिए

सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में भी हल्का बदलाव होगा। 14 मार्च को सूर्योदय सुबह 6:00 बजे और सूर्यास्त शाम 5:58 बजे होगा, जबकि 18 मार्च तक सूर्योदय का समय घटकर 5:56 बजे और सूर्यास्त का समय बढ़कर शाम 6:00 बजे तक पहुंच जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल पटना में बारिश की कोई विशेष संभावना नहीं है, लेकिन बादलों की आवाजाही के कारण मौसम में हल्की उमस महसूस हो सकती है।

ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत, सांप से बचने के लिए पटरी की तरफ भागे, तभी आ गई गाड़ी

एजेंसी। जहानाबाद

जहानाबाद में पटना, गया रेलखंड पर शनिवार को दो अलग-अलग ट्रेन हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना मखदुमपुर रेलवे स्टेशन के पास हुई, जबकि दूसरी घटना जहानाबाद कोर्ट हाल्ट के समीप सामने आई।पहली घटना में मखदुमपुर स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। युवक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। वह आसमानी रंग की फुल शर्ट और नीले रंग की पैंट पहने हुए था। जीआरपी प्रभारी दीपनारायण यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए 72 घंटे तक पोस्टमार्टम हाउस के पास रखा गया है और उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर भी साझा की गई है, ताकि पहचान हो सके। दूसरी घटना जहानाबाद कोर्ट हाल्ट के पास हुई, जहां गया जिले के सहबाजपुर गांव निवासी 50 वर्षीय दिलीप कुमार शर्मा की ट्रेन से टक्कर होने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। वे अपने परिवार के साथ जहानाबाद के शांति निवास में रहते थे और कोर्ट स्टेशन के पास अपना मकान बनवा रहे थे। परिजनों के अनुसार शनिवार सुबह मकान की खुदाई के दौरान एक सांप निकल आया। इससे बचने के लिए दिलीप कुमार शर्मा रेल पटरी की ओर भागे। उस समय वे मोबाइल पर किसी से बात भी कर रहे थे। इसी दौरान मेमू पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनका एक हाथ अलग हो गया और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई।